

**MASTER OF ARTS
(Political Science)**

Term-End Examination

June, 2012

**MPS-003 : INDIA : DEMOCRACY AND
DEVELOPMENT**

Time : 3 hours

Maximum Marks : 100

Note : Answer any five of the following questions selecting at least two from each section. Answer be written in about 500 words each. Each question carries 20 marks.

SECTION-I

1. Critically examine the role played by socialists and communists in India's nationalist movement.
2. Write an essay on the emerging contradictions between the economics of liberalisation and the politics of empowerment.
3. Describe the relationship between caste and class hierarchies and their impact on the political process.
4. What is Judicial Review ? Discuss its role in the maintenance of rule of law.

5. " Over the years, the Indian federalism has shown enough resilience to adopt and to accommodate structurally and politically the various pressures of federal state formation." Comment.

SECTION-II

6. Discuss the role of Indian political parties in the empowerment of people.
 7. Analyse the nature and role of Farmer's movements in contemporary India.
 8. Examine the causes and nature of ethnic movements in the North-East part of India.
 9. Write an essay on paradigm shift from women in development to gender and development.
 10. Describe the evolution of religious politics in India.
-

स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम
(राजनीति शास्त्र)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2012

एम.पी.एस.-003 : भारत : लोकतन्त्र और विकास

समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 100

नोट : कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिये, प्रत्येक खण्ड में से कम-से-कम दो प्रश्न चुनते हुये प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में हैं। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

खण्ड-I

1. भारत के राष्ट्रवादी आंदोलन में समाजवादियों और साम्यवादियों की भूमिका का आलोचनात्मक परीक्षण करें।
2. उदारीकरण के अर्थशास्त्र और सशक्तिकरण की राजनीति सम्बंधी उभरते हुये विरोधाभासों पर एक निबंध लिखें।
3. जाति और जाति श्रेणियों के मध्य सम्बंध और राजनीतिक प्रक्रिया पर इनके प्रभाव का वर्णन करें।
4. न्यायिक पुनरावलोकन क्या है? कानून की प्रक्रिया के कार्य पालन में इसकी भूमिका की चर्चा कीजिये।

5. “विगत के वर्षों में भारतीय संघवाद ने इतना लचीलापन दिखलाया है कि वह संघीय राज्य निर्माण के विभिन्न दबावों को ढांचागत और राजनीतिक रूप से अपना हो और उनका रूपांतरण कर सकें”।

खण्ड-II

6. व्यक्तिजनों के सशक्तिकरण में भारतीय राजनीतिक दलों की भूमिका की चर्चा कीजिये।
 7. सामयिक भारत में किसान आंदोलनों की प्रकृति और भूमिका का विश्लेषण करें।
 8. भारत के उत्तर-पूर्व क्षेत्र में नृजातिय आंदोलनों के कारणों और प्रकृति का परीक्षण करें।
 9. विकास में नारी से जेंडर और विकास तक के संकल्पनात्मक परिवर्तन पर एक लेख लिखें।
 10. भारत में धार्मिक राजनीति के विकास का वर्णन करें।
-